Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIS-122-A-22

P.G.D.T.S. I Semester (CBCS) Degree Examination

HINDI

Translation (Practice) : Creative Literature

Paper : S.C. - 1.1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना :– सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद का तात्पर्य बताइए। (8)

(अथवा)

सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद की अनिवार्यता की चर्चा कीजिए।

2. शब्दशक्तियॉं किसे कहते हैं? विशद परिचय दीजिए। (8)

(अथवा)

शब्दशक्तियों के सार्थक अनुवाद की सूक्ष्मताओं पर प्रकाश डालिए।

3. ''अनुवाद और संस्कृति'' विषय पर समीक्षात्मक लेख लिखिए। (8)

(अथवा)

शैलिगत अनुवाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

4. सृजनात्मक अनुवाद में ध्वनि एवं बलाघात के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। (8)

(अथवा)

गद्यानुवाद के सांस्कृतिक आधारों की विवेचना कीजिए।

5. काव्यानुवाद में नाद सौन्दर्य का क्या महत्व है चर्चा कीजिए। (8)

(अथवा)

काव्यानुवाद में अलंकारों के संदर्भों की औचित्यता दर्शाइए।

6. कन्नड में अनुवाद कीजिए। (20)

गांव का गरीब बच्चा हामिद सबसे ज्यादा खुश है। हामिद पांच साल का एक दुबल–पतला गरीब सूरत वाला लड़का है। हामिद के पिता पिछले ही साल हैजे से मर गए थे। उसकी मां का शरीर भी पीला पड़ गया था, जिसके बाद वह भी इस दुनिया से चल बसी। गांव में यह किसी को नहीं पता था की हामिद की अम्मी के शरीर का रंग पीला क्यों हुआ था। परिवार के नाम पर हामिद के पास एक बूढ़ी दादी थी, जिसका नाम था अमीना। अमीना ने हामिद को बताया था कि उसके अब्बा बहुत सारे पैसा कमाने गए हैं और उसकी अम्मी अल्लाह के घर उसके लिए अच्छे–अच्छे खिलैनों लेने गई है। यह सब सोचकर और दादी की ऐसी बाते सुनकर हामिद बड़ा खुश रहता था। वह कहता–जब उसके अब्बु और अम्मी वापस आएंगे, तो ढेर सारे पैसों और खिलौनों से वह मोहसिन, नूरे और सम्मी को चिढ़ाया करेगा।

अपनी गरीबी से हामिद और अमीना दोनों ही वाकिफ थे। हामिद के पास एक भी जोड़ी जूते नहीं थे। उसके पास सिर्फ एक पुरानी और गंदी टोपी थी। यह सब सोचकर बूढ़ी अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही थी कि आज ईद के दिन भी उसके घर में खाने के लिए कुछ नहीं है। वह ईद के दिन को कोस रही थी कि जब उसे ऐसे ही अंधेरे में रहना है, तो ईद आती ही क्यों है।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (20)

ಬಾವಿಯೊಳಗಡೆ ಕೊಳೆವ ನೀರು; ಮೇಲಕ್ಕಾವಿ;
ಆಕಾಶದುದ್ದವೂ ಅದರ ಕಾರಣ ಬೀದಿ;
ಕಾರ್ಮುಗಿಲ ಖಾಲಿಕೋಣೆಯ ಅಗೋಚರ ಬಿಂದು
ನವಮಾಸವೂ ಕಾವ ಭ್ರೂಣರೂಪಿ---
ಅಂತರಪಿಶಾಚಿ ಗುಡುಗಾಟ, ಸಿಡಿಲಿನ ಕಾಟ---
ಭೂತರೂಪಕ್ಕೆ ಮಳೆ ವರ್ತಮಾನ;
ಅಗೆದುತ್ತ ಗದ್ದೆಗಳ ಕರ್ಮಭೂಮಿಯ ವರಣ;
ಭತ್ತಗೋಧುವೆ ಹಣ್ಣುಬಿಟ್ಟ ವೃಂದಾವನ,
ಗುಡಿಗೋಪುರಗಳ ಬಂಗಾರ ಶಿಖರ.

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-114-A-22
M.A. I Semester (CBCS) Degree Examination
HINDI
History of Hindi Literature Part - I
Paper : H.C. - 1.1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना:– 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. साहित्येतिहास लेखन में इतिहास दर्शन के महत्व को उद्घाटित कीजिए। (16)

(अथवा)

हिन्दी साहित्येतिहास के कालविभाजन और नामकरण की समस्या को विवेचित कीजिए।

2. आदिकालीन साहित्य का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों से अवगत करवाईए। (16)

(अथवा)

आदिकालीन साहित्य की उपलब्धियों को रेखांकित कीजिए।

3. भक्तिकाल की सांस्कृतिक चेतना के विकास की समीक्षा कीजिए। (16)

(अथवा)

भक्ति की प्रमुख धाराओं की प्रवृत्तियों को उद्घाटित करते हुए उसके उपभेदों और रूपों का परिचय दीजिए।

4. निर्गुण भक्ति काव्य परम्परा की प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए संतों के अवदान को रेखांकित कीजिए। (16)

(अथवा)

सगुण भक्ति की विशेषताओं से अवगत करवाते हुए भक्त कवियों के रचनात्मक योगदान का वर्णन कीजिए।

5. रीतिकाल की पृष्ठभूमि को उद्घाटित करते हुए उसकी विविध धाराओं का सविस्तार वर्णन कीजिए। (16)

(अथवा)

रीतिकाल के प्रमुख कवियों के रचनात्मक योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-119-A-22

P.G.D.T.S. I Semester (CBCS) Degree Examination

HINDI

Translation : Need & Nature

Paper : H.C. - 1.1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना:- 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. अनुवाद की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

आकस्मिकता और ऐतिहासिक आवश्यकता पर निबन्ध लिखिए।

2. अनुवाद के आरंभिक चरण पर प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

अनुवाद के वैश्विकरणको स्पष्ट कीजिए।

3. स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का अनुवाद में महत्व क्या है? स्पष्ट कीजिए। (16)

(अथवा)

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. अनुवाद कला है शिल्प सोदाहरण समझाइए। (16)

(अथवा)

अनुवाद एक विकसित विज्ञान है इस युक्ति की समीक्षा कीजिए।

5. अनुवाद और अनुवाद अध्ययन की विवेचना कीजिए। (16)

(अथवा)

भारतीय एवं पाश्चात्य अनुवाद के महत्व को समझाइए।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-115-A-22
M.A. I Semester (CBCS) Degree Examination
HINDI
Indian Poetics
Paper : H.C. - 1.2

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना:– 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. भारतीय साहित्यशास्त्र के विकास पर प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

साहित्य के प्रयोजन की चर्चा करते हुए साहित्य के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

2. रस सिद्धांत के विचारों को उजागर कीजिए। (16)

(अथवा)

अलंकार की स्थापनाओं की समीक्षा कीजिए।

3. रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

वक्रोक्ति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अभिव्यंजनावाद के भेदों को समझाइए।

4. ध्वनि सिद्धांत के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

औचित्य के भेदों की विस्तार चर्चा कीजिए।

5. भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतको के साहित्यिक योगदान पर निबन्ध लिखिए। (16)

(अथवा)

किन्ही दो आचार्यों के सिद्धातों का परिचय दीजिए।

1) भरतमुनि 2) वामनाचार्य
3) आनन्दवर्धन 4) दंडी

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-120-A-22
P.G.D.T.S. I Semester (CBCS) Degree Examination
HINDI
Translation Tradition & History
Paper : H.C. - 1.2

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना :- 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. पश्चिमी अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए। **(16)**

(अथवा)

अनुवाद और व्यापार से क्या तात्पर्य है? विज्ञापन के अनुवाद की मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी साहित्यानुवाद की परंपरा पर प्रकाश डालिए। **(16)**

(अथवा)

बाइबिल अनुवादके महत्व को समझाइए।

3. रामायण के संदर्भ में आदर्श अनुवादक के अपेक्षित गुणों एवं दायित्वों का परिचय दीजिये। **(16)**

(अथवा)

अनुवाद एक सांस्कृतिक सेतु है, सोदाहरण प्रकाश डालिए।

4. फारसी से हिन्दी अनुवाद के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। **(16)**

(अथवा)

भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में अनुवाद के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

5. हिंदी के विकास में अनुवाद की क्या भूमिका है सोदाहरण समझाइए। **(16)**

(अथवा)

संस्कृत से हिंदी अनुवाद की परंपरा का उल्लेख कीजिए।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-121-A-22
P.G.D.T.S. I Semester (CBCS) Degree Examination
HINDI
Translation Principles Process and Forms
Paper : H.C. - 1.3

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना :- 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. अनुवाद को परिभाषित करते हुए अभिगम से अवगत करवाईए। (16)

(अथवा)

समतुल्यता के सिद्धांत की विवेचना करते हुए वस्तु तत्त्व और शिल्प का परिचय दीजिए।

2. अनुवाद और भाषा विज्ञान के सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। (16)

(अथवा)

अनुवाद में सूचना और तथ्य की अभिव्यक्ति की कठिनाईयों को उद्‌घाटित कीजिए।

3. अनुवाद एक द्वैभाषिक प्रक्रिया है – सिद्ध करते हुए स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा को परिभाषित कीजिए। (16)

(अथवा)

अनुवाद प्रक्रिया के विविध चरणों का परिचय देते हुए उनके स्वरूप को उजागर कीजिए।

4. शब्दानुवाद और भावानुवाद को परिभाषित करते हुए उनके अन्तर को स्पष्ट कीजिए। (16)

(अथवा)

अनुवाद के प्रकारों का परिचय देते हुए साहित्यिक अनुवाद और साहित्येतर अनुवाद के भेदों की समीक्षा कीजिए।

5. अनुवाद पुनर्सृजन की प्रक्रिया है – सिद्ध करते हुए अनुवाद की प्रक्रिया को समझाईए। (16)

(अथवा)

आशुअनुवाद और व्याख्यानुवाद के अन्तर को उद्‌घाटित करते हुए उनके प्रायोगिक क्षेत्रों का परिचय दीजिए।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIS-123-A-22

P.G.D.T.S. I Semester (CBCS) Degree Examination

HINDI

Translation (Practice) : Social Science Literature

Paper : SC - 1.3

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

सुचना:- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. समाजविज्ञान साहित्य अनुवाद की स्वरूप एवं अंग का परिचय दीजिए। (8)

(अथवा)

समाजविज्ञान साहित्य के अनुवाद में भाषा के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. समाजविज्ञान साहित्य के शब्दावली की क्या खासियत है? दर्शाइए। (8)

(अथवा)

समाजविज्ञान साहित्य की शब्दावली की विविधता की चर्चा कीजिए।

3. अनुवाद में समतुल्यता के सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। (8)

(अथवा)

समाजविज्ञान साहित्य के अनुवाद में एकरूपता की अनिवार्यता पर प्रकाश डालिए।

4. समाजविज्ञान साहित्य अनुवाद में वाक्य विन्यास के अस्तित्व की समीक्षा कीजिए। (8)

(अथवा)

समाजविज्ञान साहित्य के अनुवाद में संरचना के पक्ष को दर्शाइए।

5. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (8)

1) शब्दशः अनुवाद

2) अनुवाद की बोधगम्यता

6. कन्नड में अनुवाद कीजिए। (20)

मगर इस महाजनी सभ्यता में सारे कामों की गरज महज पैसा होती है। किसी देश पर राज्य किया जाता है, तो इसलिए कि महाजनों, पूँजीपतियों को ज़्यादा से ज़्यादा नफ़ा हो। इस दृष्टि से मानों आज दुनिया में महाजनों का ही राज्य है। मनुष्य समाज दो भागों में बँट गया है। बड़ा हिस्सा तो मरने और खपने वालों का है, और बहुत ही छोटा हिस्सा उन लोगों का, जो अपनी शक्ति और प्रभाव से बड़े समुदाय को अपने बस में किये हुए हैं। इन्हें इस बड़े भाग के साथ किसी तरह की हमदर्दी नहीं, ज़रा भी रू–रियायत नहीं। उसका अस्तित्व केवल इसलिए है कि अपने मालिकों के लिए पसीना बहाये, खून गिराये और एक दिन चुपचाप इस दुनिया से विदा हो जाय। अधिक दुख की बात तो यह है कि शासक वर्ग के विचार और सिद्धान्त शासित वर्ग के भीतर भी समा गये हैं, जिसका फल यह हुआ है कि हर आदमी अपने को शिकारी समझता है और उसका शरीर है समाज। वह खुद समाज से बिल्कुल अलग है। अगर कोई संबंध है, तो यह कि किसी चाल या युक्ति से वह समाज का उल्लू बनावे और उससे जितना लाभ उठाया जा सकता हो, उठा ले।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (20)

"ಭಾಷೆಯೆನ್ನುವುದು ನಿತ್ಯಗಟ್ಟಳೆಯ ವ್ಯಾಪಾರಕ್ಕಾಗಿ ಇರುವುದು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ಅದರ ಮುಖ್ಯಕಾರ್ಯ ಒಂದು ಜನಾಂಗವನ್ನು ಸಂಸ್ಕಾರದಲ್ಲಿ ಮುಂದಕ್ಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಲು ಸಾಧಕವಾಗುವುದು ಈ ಕೆಲಸ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ನಮ್ಮ ಬುದ್ಧಿ ಶಕ್ತಿಯನ್ನೆಲ್ಲಾ ವೆಚ್ಚ ಮಾಡಿ ಕಲಿಯುವ ಪರ ಭಾಷೆಯಿಂದ ನೆರವೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಯಾವುದು ಸರಾಗವಾಗಿ ನಮ್ಮನ್ನು ಒಲಿದು ಬಂದಿರುತ್ತದೆಯೋ, ಯಾವುದು ನಮ್ಮನ್ನು ಬೆನ್ನಟ್ಟಿ ಬಂದು ರಕ್ತಗತವಾಗಿರುತ್ತದೋ ಅಂಥ ಭಾಷೆಯಿಂದ ಮಾತ್ರವೇ ಇದು ಸಾಧ್ಯ." (ಬಿ.ಎಂ.ಶ್ರೀ) "ತಮ್ಮದಲ್ಲದ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಪಡೆಯುವ ಮಕ್ಕಳು ಆತ್ಮಹತ್ಯೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡಂತೆಯೇ" ಎಂದು ಗಾಂಧೀಜಿ ವರ್ಣಿಸಿದ್ದರೆ, "ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯ ಭಾಷೆಯಿಂದ ಶಿಕ್ಷಣದ ಭಾಷೆಯ ವಿಚ್ಛೇದನಗೊಂಡಿರುವುದು ಭಾರತ ಹೊರತು ಪ್ರಪಂಚದ ಇನ್ನಾವ ದೇಶದಲ್ಲೂ ಕಾಣಸಿಗದು" ಎಂದು ರವೀಂದ್ರನಾಥ ಠಾಕೂರರು ಆಶ್ಚರ್ಯ ಪಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ.